Mr. Sanjay Sharma

Assistant Professor

Department of Education

(UG and PG)

Subject -Education

Nehru Gram bharati

Deemed to be university.....

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

शिक्षा प्रशासन एवं प्रबन्धन

(EDUCATIONAL ADMINISTRATION AND MANAGEMENT)

शैक्षिक प्रशासन का सम्बन्ध मुख्यतः शिक्षा से होता है। अतएव शिक्षा के क्षेत्र में व्यवस्था जिस ढाँचे या तन्त्र को खड़ा करती है, शैक्षिक प्रशासन उसे कार्यान्वित करने में सहायक होता है जिससे शैक्षिक उद्देश्यों की अधिकाधिक प्राप्ति सम्भव होती है। शैक्षिक प्रशासन के अन्तर्गत शिक्षा के सम्बन्ध में योजना बनाना, संगठन पर ध्यान देना, निर्देशन तथा पर्यवेक्षण अदि अनेक कार्य सम्पादित करना आता है।

कक्षाभवन, पुस्तकालय, क्रीड़ा-स्थल, कार्यालय, पाठ्येतर क्रियाओं का सफलतापूर्वक संयोजन करना और निरन्तर प्रगति के लिये प्रयत्न करना शैक्षिक प्रशासन का ही कार्य होता है। शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक व्यक्ति अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। उनकी कार्य की प्रति लगन का पता लगाना, सभी व्यक्तियों के पारस्परिक सम्बन्धों को मधुर बनाना तथा उनकी कार्यक्षमता को उचित प्रोत्साहन देना, सहयोगपूर्ण ढंग से कार्य करना, प्रशासन के कार्यों में ही सम्मिलित होता है। विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रबन्धक, शिक्षक, विद्यार्थी, अन्य कर्मचारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, निदेशक, उपनिदेशक आदि सभी मिलकर शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास किस प्रकार कर रहे हैं इसका पता लगाना तथा वे अपने कर्त्तव्यों एवं अधिकारों को ठीक प्रकार से समझने तथा कार्यान्वित करने में कहाँ तक सक्षम हैं इसका निरीक्षण करना भी प्रशासन का ही कार्य है।

शैक्षिक प्रशासन

(EDUCATIONAL ADMINISTRATION)

शिक्षा प्रशासन/शैक्षिक प्रशासन की परिभाषा

ब्रुक एडम्स (Brook Adams) के अनुसार—"शैक्षिक प्रशासन में अनेक को एक सूत्र में बाँधने की क्षमता होती है। शैक्षिक प्रशासन प्रायः परस्पर विरोधियों तथा सामाजिक शक्तियों को एक ही संगठन में इतनी चतुराई से जोड़ता है कि वे सब मिलकर एक इकाई के समान कार्य करते हैं।"

"Administration is the capacity to coordinate many and often conflicting, social energies in a single organism, so jointly that they shall operate as one unit."

एस. एन. मुखर्जी (S.N. Mukherji) के अनुसार—"शैक्षिक प्रशासन वस्तुओं के साथ-साथ मानवीय साधनों की व्यवस्था से सम्बन्धित है अर्थात व्यक्तियों के मिलजुलकर और अच्छा कार्य करने से सम्बन्धित है। वास्तव में, इसका सम्बन्ध मानवीय सजीवों से अपेक्षाकृत अधिक है तथा अमानवीय वस्तुओं से कम।"

"Educational Administration is concerned with the management of things as well as with human relationship *i.e.* the better working together of people. In fact, it is more concerned with human beings and less with inanimate things."

Scanned with CamScanner

हेनरी फेयॉल (Henry Fayol) को "प्रशासन प्रक्रिया का पिता" कहकर पुकारा जाता है। उनके शब्दों में—"अन्य प्रशासन की भाँति शैक्षिक प्रशासन पाँच तत्त्वों—नियोजन, संगठन, आदेश, समन्वय तथा नियंत्रण की एक प्रक्रिया है।"

"Like other administration, Educational Administration is a process of five elements which are as follows—planning, organizing, direction, co-ordination and control."

शैक्षिक प्रशासन के तत्त्व (Components of Educational Administration)

शैक्षिक प्रशासन के तत्त्व निम्नांकित हैं—

1. योजना बनाना (Planning),
2. नियुक्ति करना (Staffing),
3. समन्वय करना (Co-ordinating),
4. बजट करना (Budgeting),
5. संगठन करना (Organization),
6. निर्देश देना (Direction),
7. आलेख तैयार करना (Reporting)।

शैक्षिक प्रशासन की प्रमुख विशेषताएँ (Characteristics of Educational Administration)

शिक्षा में प्रशासन की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

1. शैक्षिक प्रशासन एक समन्वित प्रक्रिया (Integrated Process) है।
2. शैक्षिक प्रशासन एक मानवीय (Human) प्रक्रिया है।
3. शैक्षिक प्रशासन की प्रकृति कार्यशील (Functional) तथा नियन्त्रित होती है।
4. शैक्षिक प्रशासन का स्वरूप दोनों केन्द्रीकरण व विकेन्द्रीकरण रूप में होता है।
5. शैक्षिक प्रशासन का स्वरूप सदैव गतिशील (Dynamic) होता है।
6. शैक्षिक प्रशासन की प्रकृति का लक्ष्य विद्यालय की कार्यशैली में सुधार लाना है।
7. शैक्षिक प्रशासन की प्रक्रिया उपयोगिता पर आधारित होती है।
8. व्यावहारिकता (Practicability) को महत्त्व दिया जाता है।
9. शैक्षिक कार्यकर्ताओं का व्यावसायिक विकास करना।
10. नीति तथा कार्यक्रम निर्धारण में सभी व्यक्तियों का सहयोग।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner